IAS Mentorship

With Riyasat Ali Sir

PARAMETERS FOR ESSAY COPY EVALUATION

		VERY GOOD	GOOD	AVERAGE	SUBSTANDARD
1.	Understanding on The Topic				
2.	Context of Introduction & Relevance				
3.	Understanding on the demand of ESSAY				
4.	**Body Part:**				
	Contextual Clarity				
	Diversity of Dimensions				
	Relevance of Content/ Quotation				
	Presentation & Organisation of Essay				
	Connectedness & Flow				
	Clarity of massage/articulation and communication				
	Logical Structure and Analysis				
5.	Language Competence				
6.	Context of Conclusion & Relevance				
7.	Legibility of hand writing				

Mohan Mangawa Ethic Copy.

IAS MENTORSHIP With Riyasat Ali Sir

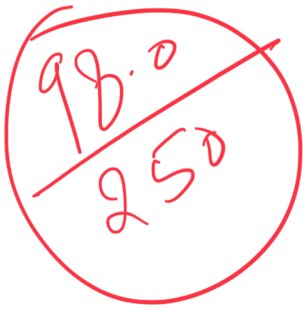

Structure - उत्तर का संरचना अच्छा है इसे और बेहतर बनाएं

Content - कंटेंट आपका सराहनीय है परंतु इसे वर्तमान की घटनाओं से जोड़ते हुए लिखें.

Presentation-आपके उत्तर का प्रस्तुतीकरण सराहनीय है.

Relevance - आपके उत्तर की भूमिका सराहनीय है परंतु निष्कर्ष में अधिक ध्यान देने की जरूरत है

Dear Mohan Mangawa ,

Your strength

- अपने सभी केस स्टडीज को दिए गए समय सीमा के भीतर पूरा करने का प्रयास किया है.

- अपने स्थिति को बनाए रखा है और आपके पास केस स्टडी को संबोधित करने की अच्छी क्षमता है .

- आप केस स्टडी की मांग को समझ गए हैं
परंतु मजबूत नैतिक स्पष्टीकरण की आवश्यकता है.

- आपके पास बुनियादी कैसे विश्लेषण है तथापि आपका दृष्टिकोण सराहनीय है.

- आगे बढ़ाने के लिए नीचे दिए गए सुधार के क्षेत्र और छोटी टिप्पणियों पर विचार करें.

सुधार के लिए नीचे दिए गए बिंदुओं पर विचार करें

सुधार का क्षेत्र :—

— केस स्टडी को ठीक से पढ़े और दिए गए केस स्टडी के प्रश्न में मांग वाले भाग को हाईलाइट / रेखांकित करें.

— केस स्टडी के संक्षिप्त अवलोकन से शुरू करें और अपनी प्रासंगिक तथ्य , रिपोर्ट की जांच करें और अपना परिचय विशिष्ट बनाएं.

— मजबूत नैतिक कीवर्ड और तार्किक स्पष्टीकरण पर ध्यान केंद्रित रखें आम बोलचाल की भाषा वाले कथन और बिंदुओं से बचे.

— केस स्टडी की अभिव्यक्ति और मूल्यांकन मजबूत रणनीति उद्देश्यों के साथ ठीक से किया जाना करें.

Good effort

Best of luck

13-09-2024

1. (a) साध्य साधनों को उचित नहीं ठहरा सकता है, इसका सरल और स्पष्ट कारण यह है कि प्रयुक्त साधन ही प्राप्त होने वाले साध्यों की प्रकृति निर्धारित करते हैं। उपयुक्त उदाहरणों के साथ विवेचना कीजिए। (150 शब्दों में उत्तर दीजिए)

The end cannot justify the means, for the simple and obvious reason that the means employed determine the nature of the ends produced. Discuss with suitable examples. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए

Candidates must not write on this margin

4.5

गांधी के अनुसार किसी ~~कि~~ कार्य की पवित्रता उसके लक्ष्य प्राप्ति से ~~ही~~ नहीं बल्कि लक्ष्यप्राप्ति के मार्ग की पवित्रता पर निर्भर करती है

भूमिका अच्छा है परंतु लिखने के बाद एक बार फिर से पढ़ें

साध्य – साधन को उचित क्यों नहीं

साधन पवित्रता नहीं

(a) किसी गरीब का पेट भरने हेतु चोरी करना।

साध्य पवित्र होने से साधन पवित्र हो जरूरी नहीं

(b) रूस-यूक्रेन युद्ध में साध्य संप्रभुता है लेकिन युद्ध में ~~जान जाना~~ मृत्यु होना द्वारा निर्दोषों की इसकी पवित्रता पर सवाल खड़ा करता है

प्रश्नचिन्ह

साधन पवित्र तो साध्य भी

सत्यनिष्ठा पालना → साधन में ईमानदारी से साध्य अपने आप पवित्र

eg, परीक्षा हेतु जी-तोड़ मेहनत (साधन) से सफलता (साध्य)

सार्वजनिक की सर्वोपरिता → साधन पवित्रता में सामान्यतः सर्वजन सुखाय

eg, भगवान राम द्वारा माता सीता हेतु रावण से युद्ध → इसमें कल्याण पर न्याय की जीत का लक्ष्य

कर्तव्य की भावना → गांधी जी अहिंसा के रूप में सत्याग्रह साधना से स्वतंत्रता प्राप्ति

परन्तु कई बार उल्टा भी
↳ साधन पवित्र परन्तु साध्य नुकसानदायक

eg, लादेन द्वारा मेहनत से इंजीनियरी सीखकर बम बनाया → मानवता को खतरा

जैसा प्रकार कांट के अनुसार केवल साधन या साध्य पवित्र नहीं हो बल्कि दोनों का एकसाथ पवित्रता ही नैतिकता है।

अपने उदाहरण मौलिक एवं समसैक प्रस्तुत किए हैं जो आपके उत्तर को अच्छा बनाता है

निष्कर्ष साध्य एवं साधन का गहरा संबंध है कोई भी लक्ष्य तभी सार्थक होगा जब उसे सही एवं नैतिक साधनों से प्राप्त किया जाए इसीलिए हमें अपने लक्ष्य के लिए उचित और नैतिक मार्ग अपनाना चाहिए

निष्कर्ष में थोड़ा सुधार की आवश्यकता है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4.5

1.(b) चर्चा कीजिए कि कानून एवं नैतिकता के बीच का संबंध किस प्रकार गतिशील होता है और सामाजिक परिवर्तनों द्वारा निरंतर आकार ग्रहण करता है। इस गतिशील संबंध को स्पष्ट करने के लिए उदाहरण प्रस्तुत कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss how the relationship between law and ethics is dynamic and continuously shaped by societal changes. Provide examples to illustrate this dynamic relationship. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों इस हाशिए नहीं लिखना चाहिए
Candida must not write on this mar

भूमिका :कानून एवं नैतिकता समाज के मूल स्तंभ है जो समाज की संरचना एवं व्यवहार के लिए आधार प्रदान करते हैं

सेंट थॉमस एक्विनास के अनुसार कानून उस समाज के लोगों द्वारा तत्कालीन मूल्यों के परिप्रेक्ष्य में बनाया गया सेट होता है।

कानून और नैतिकता में गतिशीलता

(i) कानून ⇄ नैतिकता एक ही ⇒

(a) महिलाओं के यौन शोषण को रोक हेतु POSH Act → व्यक्तिगत नैतिकता हेतु भी यही

(b) करुणा – गरीबों के राशन हेतु NFSA Act 2013 का पालन

खाद्य आपूर्ति

(c) भ्रष्टाचार रोकथाम – PCA Act 1988 द्वारा सत्यनिष्ठा - नैतिकता का पालन करवाना

(d) कोड ऑफ कंडक्ट नियम 1968
↳ ईमानदार सिविल सेवक

(ii) कानून ⇌ नैतिकता विपरीत

नैतिकता कानून

(a) सती प्रथा — पुराने समाज में यह प्रथा अनैतिक थी भी

(b) वर्णव्यवस्था व अत्याचार → SC/ST के साथ दुर्व्यवहार उचित रीति

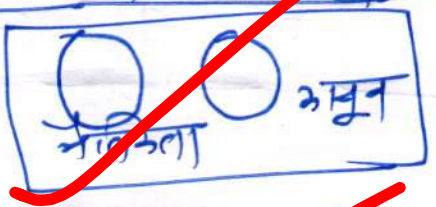

(c) दास व्यापार — वाणिज्य 'अर्थशास्त्र' में इसे वैध → मानवाधिकार के विरुद्ध UDHR 1948

(d) असहिष्णुता → मुस्लिम शासकों 'जजिया' कर कानून जबकि 'प्रस्तावना' व अनुच्छेद समानता की बात।

इस प्रकार कानून समाज की प्रगतिशीलता के प्रतिबिंब होते है। वह उसकी नैतिकता के परिचायक हैं।

आप उदाहरण को निश्चित Subheading के अंतर्गत लिखिए

समाज में परिवर्तन एवं कानून: समय के साथ सामाजिक मूल्यों में परिवर्तन होने के साथ कानून एवं नैतिकता का संबंध भी परिवर्तित होता है
उदाहरण : सती प्रथा आदि

निष्कर्ष यह संबंध समाज की प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करता है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

2. (a) उपयुक्त उदाहरणों के साथ शुचिता (प्रोबिटी) और सत्यनिष्ठा के बीच अंतर स्पष्ट कीजिए। ये मूल्य सिविल सेवाओं में नैतिक अभिशासन और निर्णय-निर्माण में किस प्रकार योगदान देते हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Differentiate between probity and integrity with suitable examples. How do these values contribute to ethical governance and decision-making in the civil services? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4

भूमिका अच्छी है

शुचिता और सत्यनिष्ठा व्यक्तिगत नैतिकता के सर्वोच्च गुण है।

अंतर

शुचिता	सत्यनिष्ठा
→ स्थायी सत्यनिष्ठा ही (पी. एस. बुद्धि)	→ मनसा - वाचा - कर्मणा की एकरूपता
→ सर्वोत्तम सत्यनिष्ठा ही शुचिता	→ ईमानदारी के सर्वोत्तम अवस्था
→ व्यवहार (आचार) की शुद्धता	→ आंतरिक परिभाषा
→ बाहरी की बाह्य नियमों संपालन	→ बाहरी अनुसार सत्यनिष्ठा का निर्धारण

उदाहरण भी दीजिए

एक अधिकारी द्वारा बिना किसी बाह्य दबाओ या अनुचित प्रभाव के पारदर्शी तरीके से ठेके का आवंटन करता है तो वह सुचिता का पालन करता है

निष्कर्ष - इससे प्रशासनिक विश्वसनीयता एवं प्रभावशीलता में वृद्धि होती है

उदाहरण
1. एक अधिकारी निजी लाभ से ऊपर उठकर निष्पक्ष निर्णय करता है सत्यनिष्ठा है
2. एक पुलिस अधिकारी जो रिश्वत के प्रस्ताव को ठुकराते हुए न्याय संगत तरीके से न्याय करता है और सही रिपोर्ट तैयार करता है सत्य निष्ठा का यह भी एक प्रतीक है

सिविल सेवाओं में योगदान

नैतिक अभिशासन में

↳ व्यक्तिगत ईमानदारी का गुण

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

↳ कठिन परिस्थितियों में भी कार्य
↳ IAS राम आर्मस्ट्रॉन्ग द्वारा
पब्लिक फंडिंग से सड़क निर्माण

↳ करुणा भाव ↳ सत्यनिष्ठा & शुचिता
प्रभावित शिविल सेवक निर्माण
उदा. IAS सुरेन्द्रनाथ द्वारा 'चलो पाबुरी' अभियान बच्चों हेतु

निर्णय निर्माण
(i) जिले के गुणवत्तावादी उपयोगितावादी पालना
उदा. IAS हरिगुरु गोस्वामी द्वारा
बांध को बचाय पर्यावरण को महत्व

(ii) व्यक्तिगत संबंध में निर्णय
↳ IAS सूचित डबास द्वारा मुश्किल पारिवारिक हालात में UPSC में 6th स्थान प्राप्ति

(iii) सर्वोदय निर्णय
↳ IAS स्मिता सबरवाल द्वारा
फंड ओवर सिटी कार्यक्रम।

इस प्रकार शुचिता-सत्यनिष्ठा सिविल सेवक के साथ सभी व्यक्तियों के सर्वोच्च 'सम्मान सेवाम' गुण है।

निष्कर्ष +इससे प्रशासनिक विश्वसनीयता एवं प्रभावशीलता में वृद्धि होती है

3.5

2. (b) लोक प्रशासन में सूचना को गुप्त बनाए रखने के नैतिक निहितार्थों पर चर्चा कीजिए। पारदर्शिता किस प्रकार सरकारी संस्थाओं में जवाबदेही को बढ़ा सकती है और भ्रष्टाचार को कम कर सकती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Discuss the ethical implications of withholding information in public administration. How can transparency enhance accountability and reduce corruption in government institutions? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidate must not write on this margin

लोकप्रशासन में एकआयामी गुप्त सूचना व पारदर्शिता को बनाना हमेशा खतरे को उत्पन्न करता है। अत: गुप्त बनाम पारदर्शिता के बीच संतुलन जरूरी है।

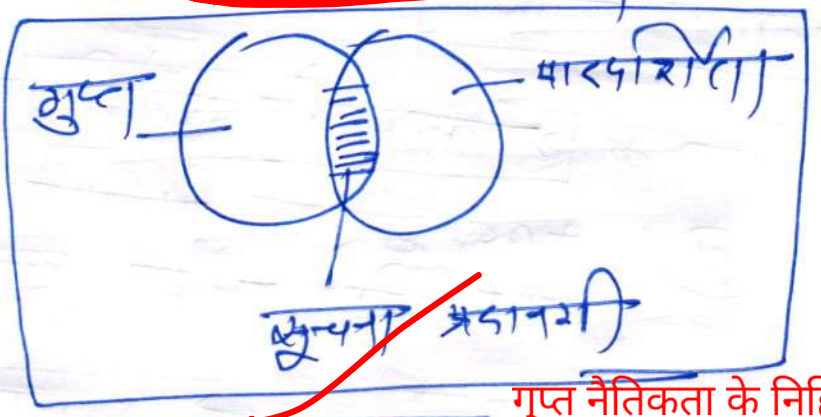

गुप्त नैतिकता के निहितार्थ:
1. संवैधानिक अधिकारों की रक्षा
2. सुरक्षा एवं निजात
3. नैतिक जिम्मेदारी
विवेकपूर्ण उपयोग एवं संवेदनशील मुद्दों की गुप्तता

गुप्त के नैतिक निहितार्थ

+ve	
→ प्रशासनिक गुप्तता eg, बजट योजना निर्माण	→ सूचना के अधिकार के विरुद्ध
→ संप्रभुता हेतु eg, NIA द्वारा आतंकी जानकारी	→ जवाबदेही से बचाव
→ निजता का मामला eg. अनु. 21 व पुट्टस्वामी वाद	→ लोक केन्द्रित शासन के विपरीत

विरुद्ध

पारदर्शिता की परख/परंपरा

सरकारी संस्था जवाबदेही

↳ प्रशासन यथास्थितिवाद कमी → पारदर्शिता द्वारा शासन से कार्य-पूर्ति की सूचना

eg, मनरेगा में सोशल ऑडिटिंग

↳ सेवा गुणवत्ता सुधार

↳ नागरिक चार्टर ने सूचना पारदर्शिता को बढ़ावा दिया

↳ लोक सेवकों की जवाबदेही बढ़ाव

↳ सूचना अधिकार अधि 2005 द्वारा लोगों को जानकारी अनिवार्य

भ्रष्टाचार कमी

↳ सूचना तक पहुँच → eg, 2G स्कैम का पता

↳ वित्तीय खुलासा → कोल स्कैम का पता

↳ व्हिसलब्लोअर इंटेरोगेशन → भ्रष्टाचारी कम

इस प्रकार 'सूचना' लोकतंत्र का चौथा स्तंभ है, यह ही हमें संविधान के प्रति नैतिक बनाता है।

+स्वतंत्र मीडिया की भूमिका
+प्रभावी निगरानी
+सार्वजनिक विश्वास में वृद्धि
+नागरिक भागीदारी
+नैतिक मानदंडों का पालन

भ्रष्टाचार के विरुद्ध कानूनी उपाय :

स्वतंत्र जाट समिति एवं अंकेक्षण रिपो...

निष्कर्ष
पारदर्शिता एवं गुप्तता के मध्य से तुलना
समाज में विश्वास एवं ईमानदारी में वृद्धि करेगा

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक उद्धरण का आपके विचार से क्या अभिप्राय है?

What do each of the following quotations mean to you?

(a) "एक सभ्य घर के बराबर कोई स्कूल नहीं है और सद्गुणी माता-पिता के बराबर कोई शिक्षक नहीं है।"- महात्मा गांधी (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

"There is no school equal to a decent home and no teacher equal to a virtuous parent."- Mahatma Gandhi (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए

Candidate must not write on this margin

4

भूमिका अच्छी है

"यदि आप अपने देश को सभ्य और सुंदर मनों वाला बनाना चाहते हो तो इसमें तीन व्यक्ति महत्त्वपूर्ण हैं - माता - पिता और शिक्षक।"

- अब्दुल कलाम

सभ्य घर सबसे बड़ा स्कूल

(i) नैतिक आचार सीखना

eg. गांधीजी ने अहिंसा अपनी माता से सीखी

(ii) करुणा भाव

eg. मैंने करुणा भाव अपने दादाजी द्वारा समाज सेवा से सीखा गया।

(iii) लैंगिक संवेदनशीलता

eg. अपनी बहनों के साथ रहकर महिलाओं के प्रति मेरा संवेदनशील होना

(iv) ईमानदारी व कर्तव्यपरायणता

(a) भगवान राम ने कर्तव्यपरायणता पिता दशरथ के द्वारा

(v) वीरता व सत्य के साथ खड़े रहना

(a) भगत सिंह द्वारा अपने चाचा अजीत सिंह से सीखा।

सद्‌गुणी माता-पिता ही शिक्षक

सद्‌गुणी माता-पिता हमें सही-गलत के बीच रह दिखाकर एक संतुलित व्यक्ति बनाने में मदद करते है।

(e) अब्दुल कलाम में सद्‌गुण का भाव माता-पिता द्वारा नैतिक कठोर मेहनत के साथ जीवनयापन के कारण आया।

इस प्रकार 'मातृ-पिता' वचन ही हमें हमारे भविष्य को सुधारने में मदद करता है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

स्कूल कॉलेज से एकेडमिक ज्ञान प्राप्त होता है लेकिन पारिवारिक वातावरण एवं माता-पिता की भूमिका जीवन मे महत्वपूर्ण शिक्षा प्रदान करते हैं

↓

पारंपरिक शिक्षा

↓

नैतिक शिक्षा एवं चरित्र निर्माण

सांसारिक शिक्षा बनाम पारंपरिक शिक्षा

माता-पिता की भूमिका बच्चों के संपूर्ण विकास के लिए महत्वपूर्ण है और परिवार की सशक्त वातावरण व्यक्तिगत विकास के लिए आवश्यक है

4

3. (b) "हर कोई दुनिया को बदलने के बारे में सोचता है, लेकिन कोई भी खुद को बदलने के बारे में नहीं सोचता।" - लियो टॉल्स्टॉय (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"Everyone thinks of changing the world, but no one thinks of changing himself." - Leo Tolstoy (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

अपने भूमिका अच्छी लिखी है

"यदि आप बाहरी दुनिया में परिवर्तन देखना चाहते हो तो यह परिवर्तन पहले स्वयं से करो।" - गांधीजी

खुद को क्यों नहीं बदलते

जो खुद को बदलते हैं उनके उदाहरण लिखिए जैसे
गांधीजी ने अपने आचार व्यवहार में सादगी अहिंसा को अपनाया एवं तभी स्वतंत्रता और समानता के लिए आंदोलन चलाएं उन्होंने खुद को बदलकर आदर्श प्रस्तुत किया

नेल्सन मंडेला
सरदार वल्लभभाई पटेल
मलाला युसूफ जई

(i) अहं ब्रह्मास्मि का भाव
↳ शंकर के अद्वैतवाद के अनुसार मनुष्य में यह भाव प्रबल

(ii) दूसरे में गलती निकालना आसान
↳ भगवान राम के अनुसार व्यक्ति को स्वयं की गलतियों का अहसास गलती के बाद ही होता है।

(iii) स्वप्रेरणा अभाव
↳ स्वयं में बदलाव → पर भी ईमानदारी - सद्गुण → यह

एक कठिन प्रक्रिया

(eg) स्वामी विवेकानंद के अनुसार स्वयं-प्रेरणा के बिना हम स्वयं कुछ नहीं जान सकते।

(iv) स्वजागरूकता अभाव
↳ सकारात्मक संज्ञानात्मक अभिवृत्ति का अभाव

(eg) 'फॉल केलोनी की The overwhelmed Brain' के अनुसार

जरूरत

माता-पिता-शिक्षक – प्रारंभिक कमियों का अंकन करने में
(eg) झूठ बोलने पर डांटना।

स्व-जागरूकता → विचारधारा व अन्य माध्यमों से
(eg) मेरा अहिंसा में विश्वास से मैं झगड़ों से दूर रहता हूँ।

इस प्रकार टैगोर ने भी कहा है व्यक्ति खुद को बदलकर सम्पूर्ण समाज को बदल सकता है।

प्रश्न के उत्तर सराहनीय हैं

3. (c) "जो सही है उसे देखकर भी उसे न करना कायरता है।" - कन्फ्यूशियस (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
"To see what is right and not do it is a lack of courage." – Confucius (Answer in 150 words) 10

4.5

"धीरता हो स्वत्व,
और तू त्याग तप से काम ले,
यह पाप है।" दिनकर जी

अर्थात् अपने साथ अन्याय के बावजूद भी हम केवल देखकर इसे टाल दें तो यह कायरता का ही रूप है।

body:
① व्यक्तिगत विकास एवं निर्णय : यदि किसी व्यक्ति को अपने स्वास्थ्य के लिए आदतें सुधारने की जरूरत है जैसे धूमपान छोड़ने का प्रयास नहीं करता है तो उसकी कमजोरी है तथा यह आत्म अनुशासन की कमी को प्रतिलक्षित करता है

जरूरत क्या है

② सही को जन एवं अमल में लाने का महत्व

स्वरक्षा - कोई अपने साथ अत्याचार करे, इससे लड़ना आवश्यक है।

③ कर्म और परिणाम रावण कांस्य आदि

(eg) रानी झांसी द्वारा अंग्रेजों का प्रतिकार

सामान्य - देखा रहा हो
↳ सम्प्रभुता हेतु हथियार उठाना नैतिक है
(eg) 1971 में बांग्लादेश में मानवाधिकार

रक्षा हेतु भारत द्वारा सहयोग।

अधर्म पर धर्म जीत हेतु

↳ भगवान श्री राम द्वारा अन्याय का प्रतिकार हेतु रावण से युद्ध

समाज विकास हेतु जरूरी

↳ (ex) राजा राममोहन राय द्वारा सती प्रथा का विरोध

मानवाधिकार हेतु जरूरी

↳ (ex) रोजा पार्क्स व मार्टिन लूथर किंग जूनियर द्वारा USA में नस्लभेद के खिलाफ आवाज।

संवेदनशील वर्ग रक्षा - SC/ST / LGBTQ+

↳ ज्योतिबा फुले, बिरसा मुंडा आदि द्वारा अन्याय का विरोध।

निष्कर्ष में सुधार संभव है

इस प्रकार प्रतिकार न करना कायरता ही है, अहिंसा और कायरता में बहुत कम (पतली) लाइन का विभेद है।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. (a) किसी व्यक्ति में सकारात्मक अभिवृत्ति उत्पन्न करने वाले कारक कौन-से हैं? सकारात्मक अभिवृत्ति सिविल सेवकों को अपने कर्तव्यों के निर्वहन में उनकी कार्यक्षमता को कैसे बढ़ाती है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What factors lead to a positive attitude in a person? How does positive attitude enhance the effectiveness of civil servants in performing their duties? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

A-

भूमिका अच्छी है

अभिवृत्ति का अर्थ है किसी संज्ञानात्मक विषय के प्रति व्यक्तिगत विचार, विश्वास, मत आदि का निर्माण। (eg) सहिष्णुता के प्रति में सकारात्मक अभिवृत्ति

संज्ञानात्मक
व्यवहारात्मक
भावनात्मक
→ अभिवृत्ति + व्यवहार → सकारात्मक व्यवहार अभिवृत्ति

सकारात्मक अभिवृत्ति कारक

विचारधारा → गांधी का सर्वोदय दर्शन

कानून → अत्याचार रोकथाम अधि. 1989 द्वारा

परिवार → महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता वाली सकारात्मक अभिवृत्ति

नेतृत्व → सुभाष बोस का नेतृत्व से आंदोलन में सकारात्मक

प्रशिक्षण → मिशन कर्मयोगी से सिविल सेवकों में उपयोग-सकारात्मक की अभिवृत्ति

सकारात्मक अभिवृत्ति से कार्यक्षमता

अभिरुचि मेलिंग

your presentation is awesome

तार्किक निर्णय क्षमता

↳ उपयोगितावाद व अन्त्योदय का भाव

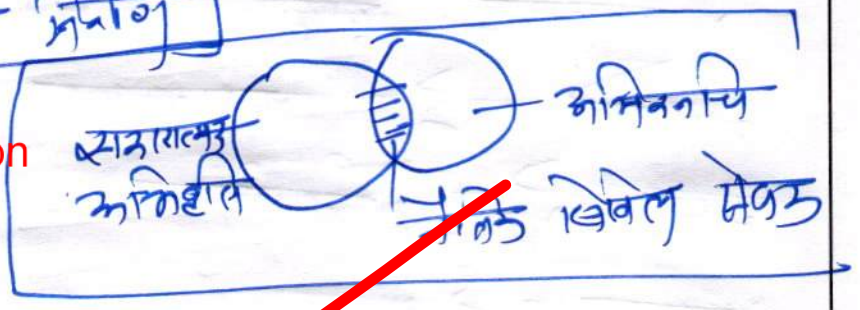

eg. IAS प्रशांत द्वारा ऑपरेशन कोझिकोड़

+सामाजिक संपर्क एवं संवाद
+प्रेरणा एवं उत्साह

कोड ऑफ कंडक्ट पालन

eg. पूर्व CAG विनोद राय द्वारा सुझाव के प्रति

इस प्रकार सकारात्मक अभिवृत्ति जवाबदेही व नैतिक सिविल सेवक का निर्माण करती है

सकारात्मक अभिवृत्ति केवल व्यक्तिगत जीवन में ही नहीं अपितु पेशेवर जीवन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4. (b) चर्चा कीजिए कि भावनात्मक बुद्धिमत्ता सीमित सार्वजनिक संसाधनों के आवंटन से संबंधित नैतिक निर्णयन को किस प्रकार प्रभावित कर सकती है। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
Discuss how emotional intelligence can influence ethical decision-making in the allocation of scarce public resources. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

डेनियल गोलमेन के अनुसार भावनात्मक बुद्धिमत्ता स्वयं के भावनाओं को समझकर इन्हें तार्किक रूप से विनियमित करने की एक क्षमता है।

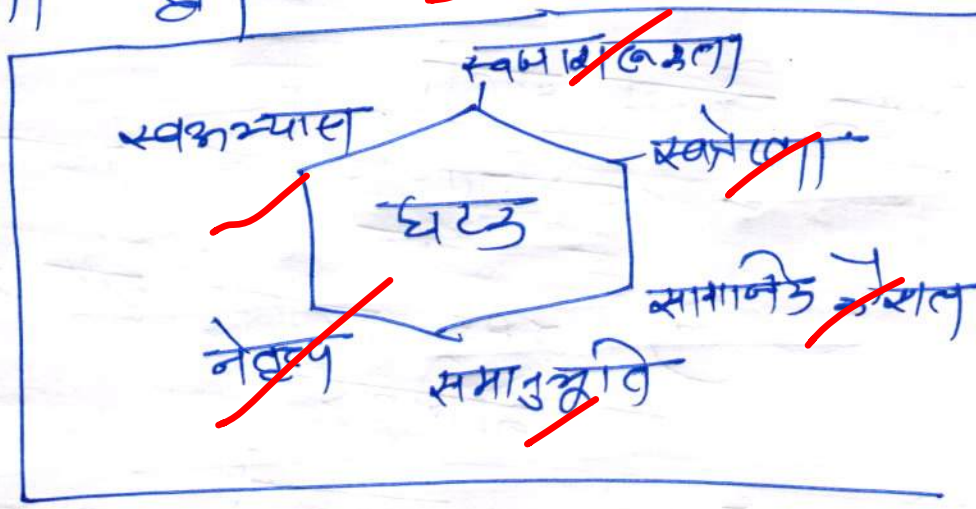

सीमित सार्वजनिक संसाधनों का नैतिक आवंटन में EI

(1) सहानुभूति एवं समझ :- यदि स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सीमित बजट है तो एक सहानुभूति से युक्त व्यक्ति गरीबों एवं बीमार लोगों को प्राथमिकता दे सकता है

(2) नैतिक निर्णय में संवेदनशीलता

तार्किक निर्णयन

↳ EI विविध तर्कों के आधार जरूरत के अनुसार संसाधन

शिक्षा के बजट में कटौती के दौरान EI से युक्त व्यक्ति सुनिश्चित करेगा कि गरीब क्षेत्र में स्कूल को कम से कम प्रभावित किया जाए

③ विभिन्न वर्गों की जरूरत का ध्यान जैसे वृद्ध एवं बच्चों का प्राथमिकता

वितरण हेतु प्रेरित करती है।

IAS वेलामूर्ति द्वारा सड़क निर्माण जो कि अनावश्यक था को रोकना

पूर्वाग्रह मुक्ति

↳ EI सहिष्णुता व सार्वजनिक हितार्थ भावना से प्रेरित रहता है।

④ निष्पक्षता एवं न्याय सभी वर्गों को समान अवसर मिले ना कि आमिर एवं प्रभावशाली व्यक्ति को

eg IPS मोहन राठौर मुस्लिम हिंदू दंगों को रुकवाना

अन्त्योदय भावना

↳ EI सिविल सेवक को सार्वजनिक हित में निर्णय हेतु प्रेरित करती है।

इस प्रकार EI मिल के 'गुणात्मक उपयोगितावाद' के तहत अधिकतम लोगों को अधिकतम संसाधन उपलब्धता पर जोर देती है।

+ EI का प्रभावी उपयोग सार्वजनिक नीति एवं संसाधनों के बेहतर एवं संतुलित आवंटन की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

5. (a) विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी संगठन विश्व भर के संघर्षग्रस्त क्षेत्रों में आपातकालीन सहायता प्रदान करते हैं। ऐसे संगठनों द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक चुनौतियों पर प्रकाश डालिए। अंतर्राष्ट्रीय मानवतावादी कार्यों के मार्गदर्शक सिद्धांत कौन-से हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Various international humanitarian organizations provide emergency aid in conflict zones around the world. Highlight the ethical challenges faced by such organizations. What are the principles that guide international humanitarian work? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3.5

Good

भूमिका अच्छी है

अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में देशों के बीच युद्ध व गृहयुद्ध तथा मानवाधिकार के मुद्दे नैतिकता के अहम प्रश्न चिन्ह हैं।

परन्तु कुछ संगठनों द्वारा ऐसे क्षेत्रों में मानवीय सहायता एक महत्वपूर्ण नैतिकता संदेश है

नैतिक चुनौतियाँ

① पारदर्शिता एवं निष्पक्षता — संगठनों को सुनिश्चित करना होगा की सहायता संसाधनों का वितरण निष्पक्ष एवं पारदर्शी हो

① मानवाधिकार संरक्षण

उदाहरण:- 2010 हैती भूकंप सहायता विवरण में पक्षपात का आरोप

eg. फिलिस्तीन इज़राइल युद्ध में गाज़ा क्षेत्र में

② सुरक्षा — मानवतावादी कार्यकर्ताओं की सुरक्षा एक चुनौती है
उदाहरण:- सीरियस संघर्ष के दौरान कई मानवतावादी कार्यकर्ता संघर्ष के शिकार हुए

② खेमों को संप्रभुता बनाम सहायता

eg. इथियोपिया संकट में UN के world food prog [illegible]

③ राष्ट्रीय हित व मानवीय संकट

↳ eg, रूस-युक्रेन युद्ध में

डोनबास क्षेत्र में NGOs को समस्याएं

स्थानीय राजनीतिक दबाव दक्षिण सूडान संघर्ष

① निष्पक्षता
② स्वतंत्रता
③ तटस्थता

मार्गदर्शक सिद्धान्त

→ मानवता सर्वोपरि — UDHR-1948

→ संप्रभुता के साथ-साथ मानवीय सहयोग रखना

→ वैश्विक शांति की बहाली

→ अंतर्राष्ट्रीय नैतिकता की पालना

इस प्रकार G20 में PM मोदी ने भी कहा है 'यह युद्ध का नहीं युद्ध का समय है'

निष्कर्ष अच्छा है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

3.5

5. (b) अनुनय को सिविल सेवकों के लिए एक महत्वपूर्ण कौशल क्यों माना जाता है? गवर्नेंस में अनुनय को मार्गदर्शित करने वाले मुख्य विचार क्या हैं? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

Why is persuasion regarded as an important skill for civil servants? What are the key considerations that should guide persuasion in governance? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

किसी व्यक्ति के विचार, विश्वास में सकारात्मक परिवर्तन करने का गुण 'अनुनय' कहलाता है।

अनुनय एक महत्वपूर्ण कौशल है

महत्वपूर्ण क्यों

(1) योजना पूर्ति हेतु
↳ जागरूकता बढ़ा
eg. टायलेट निर्माण

(2) दंगा शांति हेतु
↳ कानून व्यवस्था
eg. CAA दंगा

(3) प्रभावी फंडिंग बजट
↳ PM आवास योजना में घर निर्माण

body मैं अन्य बिंदु हो सकते हैं

(d) अभिवृत्ति परिवर्तन हेतु

1. समझदारी एवं संवाद

(e) सिलेंडर सब्सिडी हेतु 'give it up' अनुनय

2. सहयोग एवं समन्वय

मुख्य विचार

3. विपरीत परिस्थितियों में संतुलन

→ सेवा गुणवत्ता सुधार
↳ कर्मचारियों को नागरिक चार्टर में अनुनय

4. सार्वजनिक विश्वास एवं समर्थन

→ बेहतर टारगेटिंग
↳ योजना निर्माण में

(e) दरवाजा बंद कार्यक्रम

इस प्रकार गवर्नेंस को अनुनय से सुशासन संभव

निष्कर्ष में सुधार की आवश्यकता है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

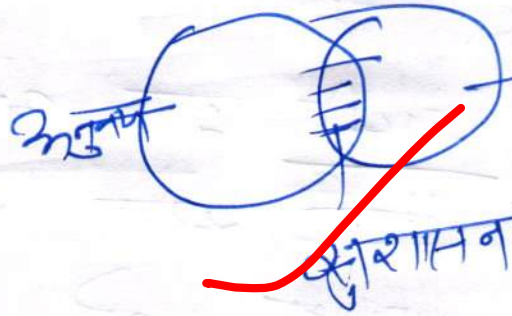

6. (a) विशेष रूप से लोक सेवा में, भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में नैतिक नेतृत्व क्या भूमिका निभा सकता है? (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)

What role can ethical leadership play in curbing corruption, especially in public service? (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4

भ्रष्टाचार अंकुश में भारत का दावा ख्याति है।

नैतिक नेतृत्व भूमिका

अभिवृत्ति परिवर्तन द्वारा

↳ नैतिक नेतृत्व द्वारा लोकसेवकों की सकारात्मक अभिवृत्ति करना

1

ईमानदारी एवं पारदर्शिता का उदाहरण प्रस्तुत करना

eg. टी. एन. शेषन द्वारा ECI का नेतृत्व

2

सप्त नीति निर्माण एवं उसका क्रियान्वयन

उदाहरण पेश करके

↳ नैतिक नेतृत्व उदाहरण पेश करते हैं

3

जब आप दही सुनिश्चित करना

eg. गांधी द्वारा अहिंसा का मार्ग स्वयं सत्याग्रह के माध्यम से

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

प्रेरणा द्वारा

4

eg, PM शास्त्री द्वारा नैतिकता पालना हेतु स्वयं-हित में लोभ नहीं

कर्मचारियों में नैतिक शिक्षा का प्रचार

अनुनयन के माध्यम से

eg, IAS अशोक खेमका द्वारा अपने कर्मचारियों का भ्रष्टाचार के प्रति अनुनयन।

5

भ्रष्टाचार विरोधी संस्थाओं के साथ सहयोग

इस प्रकार नैतिक नेतृत्व भ्रष्टाचार के प्रति नकारात्मक अभिवृत्ति निर्माण का कारगर तरीका है।

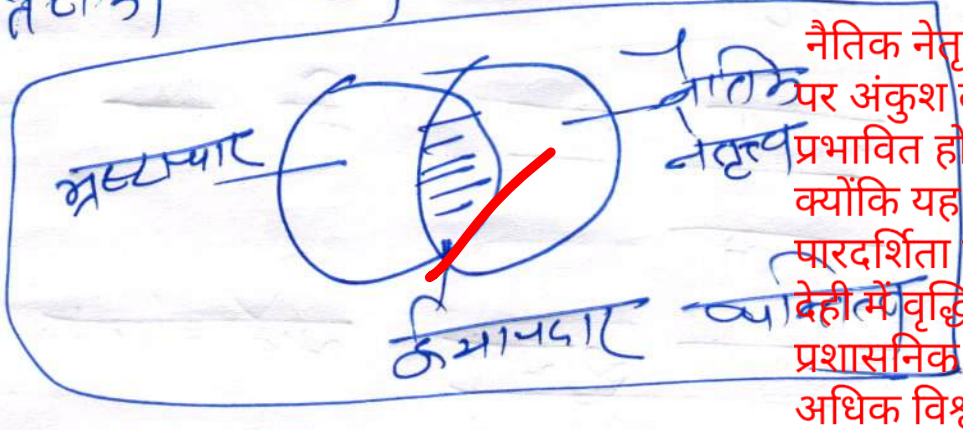

निष्कर्ष हो सकता है:-

नैतिक नेतृत्व भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने में प्रभावित होता है क्योंकि यह ईमानदारी पारदर्शिता एवं जवाब देही में वृद्धि करके प्रशासनिक प्रणाली को अधिक विश्वसनीय बनता है

6. (b) स्वामी दयानंद सरस्वती की प्रमुख शिक्षाएं क्या थीं? वर्तमान समय में, भारत में विद्यमान नैतिक एवं सामाजिक चुनौतियों से निपटने के लिए उनकी प्रासंगिकता की व्याख्या कीजिए। (उत्तर 150 शब्दों में दीजिए)
What were the major teachings of Swami Dayanand Saraswati? Explain their relevance in addressing the current ethical and social challenges in India. (Answer in 150 words) 10

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

4

भूमिका अच्छा है

स्वामी दयानंद सरस्वती एक समाज सुधारक थे। आर्य समाज की स्थापना 1875 द्वारा कई नैतिक कार्य किए।

शिक्षाएँ — good point

→ भारतवाद में अविश्वास
→ सत्य की एकता पर बल
→ वर्ण-व्यवस्था के प्रति जागरूकता
→ वैज्ञानिक व तार्किक चिंतन को बढ़ावा।
→ मानव मात्र की सेवा पर बल
→ व्यक्तिगत शुद्धता सार्वभौमिकता

शिक्षाएं एवं वर्तमान प्रासंगिकता में सुधार कीजिए

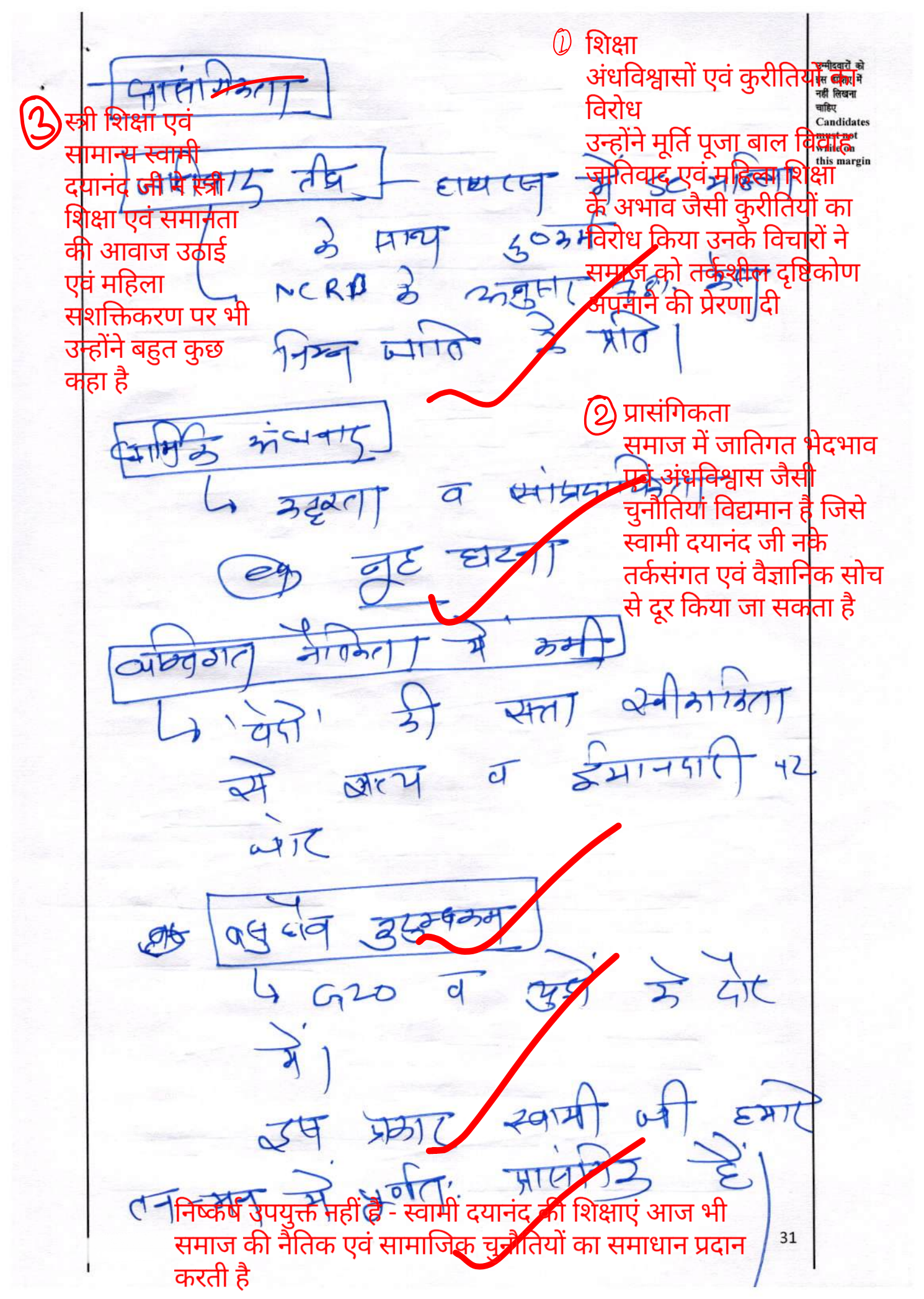

① शिक्षा
अंधविश्वासों एवं कुरीतियों का विरोध
उन्होंने मूर्ति पूजा बाल विवाह जातिवाद एवं महिला शिक्षा के अभाव जैसी कुरीतियों का विरोध किया उनके विचारों ने समाज को तर्कशील दृष्टिकोण अपनाने की प्रेरणा दी

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

~~प्रासंगिकता~~

③ स्त्री शिक्षा एवं सामान्य स्वामी दयानंद जी ने स्त्री शिक्षा एवं समानता की आवाज उठाई एवं महिला सशक्तिकरण पर भी उन्होंने बहुत कुछ कहा है

जातिवाद तीव्र — दाखलत — भेदभाव के मामले 50% NCRB के अनुसार (जैसे) निम्न जाति के प्रति।

धार्मिक अंधवाद
↳ कट्टरता व सांप्रदायिकता
eg नूह घटना

② प्रासंगिकता
समाज में जातिगत भेदभाव एवं अंधविश्वास जैसी चुनौतियां विद्यमान है जिसे स्वामी दयानंद जी नके तर्कसंगत एवं वैज्ञानिक सोच से दूर किया जा सकता है

व्यक्तिगत नैतिकता में कमी
↳ 'वेदों' की सत्य स्वीकारिता से सत्य व ईमानदारी पर ज़ोर

वसुधैव कुटुम्बकम
↳ G20 व युद्ध के दौर में।

इस प्रकार स्वामी जी हमारे वर्तमान में अति प्रासंगिक हैं।

निष्कर्ष उपयुक्त नहीं है - स्वामी दयानंद की शिक्षाएं आज भी समाज की नैतिक एवं सामाजिक चुनौतियों का समाधान प्रदान करती है

7.

मरियम एक प्रतिभाशाली और दृढ़ निश्चयी इंजीनियर है। हाल ही में, उसे XYZ Corp में काम पर रखा गया था, जो कि मुख्य रूप से पुरुष कर्मचारियों वाली एक प्रसिद्ध विनिर्माण कंपनी है। यह नौकरी मरियम के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है, क्योंकि इसमें उसे अच्छा वेतन प्राप्त होता है जिससे उसे और उसके परिवार को आर्थिक रूप से सहायता मिलती है।

प्रारंभ में मरियम अपनी नई भूमिका को लेकर उत्साहित थी, लेकिन उसका उत्साह जल्द ही समाप्त हो गया, जब उसे कई सहकर्मियों द्वारा किए जाने वाले यौन उत्पीड़न का सामना करना पड़ा। उत्पीड़न में उसके रूप-रंग के बारे में अनुचित टिप्पणियों से लेकर अवांछित प्रस्ताव और अश्लील संदेश शामिल थे। मरियम ने कई बार इन घटनाओं के बारे में अपने प्रत्यक्ष पर्यवेक्षक को भी सूचित किया, लेकिन पर्यवेक्षक ने उसकी चिंताओं को यह सुझाव देते हुए खारिज कर दिया, कि वह इन टिप्पणियों को हानिरहित मजाक और कार्यस्थल संस्कृति का हिस्सा समझे।

जैसे-जैसे उत्पीड़न निरंतर तीव्र हुआ, मरियम का कार्य-निष्पादन प्रभावित होने लगा। साथ ही, इससे उसके तनाव में भी निरंतर वृद्धि होती गई, वह लगातार तनाव में रहने लगी वह अपने काम पर ध्यान केंद्रित करने में असमर्थ हो गई तथा टीम मीटिंग और सहयोगियों वाले प्रोजेक्ट्स में असहज महसूस करने लगी। असुरक्षित कार्य परिवेश उसके मानसिक स्वास्थ्य और करियर की संभावनाओं पर भारी पड़ता जा रहा था।

करण उसका एक सहकर्मी है, जिसने मरियम के साथ ही XYZ Corp में जॉइन किया था। उसने मरियम के व्यवहार में परिवर्तन और अपने सहकर्मियों के अनुचित व्यवहार को नोटिस किया। वह और मरियम मित्र बन गए थे, वे अक्सर कार्य से संबंधित मुद्दों पर चर्चा करते थे और अपने प्रोजेक्ट में एक-दूसरे की सहायता करते थे। करण इस स्थिति के बारे में अत्यधिक चिंतित था लेकिन उसे समझ नहीं आ रहा था कि मरियम के लिए स्थिति को बदतर किए बिना कैसे हस्तक्षेप किया जाए।

एक दिन, मरियम को टीम के एक वरिष्ठ सदस्य से एक बेहद अपमानजनक संदेश प्राप्त हुआ, जिससे वह कई घंटों तक रोती रही। मरियम अत्यधिक व्याकुल अवस्था में ब्रेक रूम में बैठी थी, करण ने वहां जाकर उसे सांत्वना दी। उसके साथ हुए उत्पीड़न की पूरी कहानी सुनने के बाद, करण ने उसे POSH (यौन उत्पीड़न की रोकथाम) अधिनियम के तहत शिकायत दर्ज करने का सुझाव दिया। उसने बताया कि यह अधिनियम उसके जैसे कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए बनाया गया है और कंपनी कानूनी रूप से ऐसी शिकायतों से निपटने के लिए बाध्य है।

हालांकि, प्रतिशोध और अपनी नौकरी जाने के भय से मरियम ने शिकायत दर्ज कराने से इनकार कर दिया। उसने चिंता व्यक्त की कि उसे एक अशांति उत्पन्न करने वाले (Troublemaker) कर्मचारी के रूप में लेबल किया जा सकता है और इससे इंडस्ट्री में उसके भावी करियर पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। मरियम ने यह भी उल्लेख किया कि उसका परिवार उसकी आय पर निर्भर है और वह अपनी नौकरी खोने का जोखिम नहीं उठा सकती।

करण को ज्ञात है कि POSH अधिनियम पीड़ित महिला की ओर से किसी अन्य व्यक्ति को भी शिकायत दर्ज करने की अनुमति देता है। वह स्वयं इस घटना की रिपोर्ट करने पर विचार कर रहा है। उसका मानना है कि मरियम और अन्य महिला कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए असुरक्षित कार्य परिवेश को सही करने की आवश्यकता है। हालांकि, वह मरियम पर इसके पड़ने वाले प्रभाव के बारे में चिंतित है, खासकर उसके आगे आने की अनिच्छा को देखते हुए।

यह स्थिति तब और जटिल हो गई, जब करण ने हाल ही में एक बातचीत सुनी जिसमें सुझाव दिया गया था कि XYZ Corp एक बड़े विस्तार की योजना बना रहा है, जिससे कर्मचारियों को पदोन्नति और नए अवसर प्राप्त हो सकते हैं। उसे चिंता है कि शिकायत दर्ज करने से न केवल मरियम की वर्तमान स्थिति बल्कि कंपनी के भीतर उसकी भविष्य की संभावनाएं भी खतरे में पड़ सकती हैं।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

शब्द सीमा पर ध्यान दीजिए

(a) मरियम की इच्छा के विरुद्ध घटना की रिपोर्ट करने का निर्णय लेने में करण द्वारा सामना की जाने वाली नैतिक दुविधा पर चर्चा कीजिए।

(b) करण के समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। इनमें से उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों?

(c) यौन उत्पीड़न को रोकने और उसका समाधान करने तथा समावेशी कार्यस्थल परिवेश का निर्माण करने में XYZ Corp जैसे संगठनों की क्या ज़िम्मेदारियाँ हैं? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

Mariyam, a talented and driven engineer, was recently hired at XYZ Corp, a well-known manufacturing company with a predominantly male workforce. This job was a significant achievement for Mariyam, as it offered a good salary that supports her and her family financially.

Initially excited about her new role, Mariyam's enthusiasm quickly faded as she began experiencing sexual harassment from several colleagues. The harassment ranged from inappropriate comments about her appearance to unwanted advances and suggestive messages. Mariyam occasionally confided to her direct supervisor about these incidents, but he dismissed her concerns, suggesting she view these comments as harmless jokes and part of the workplace culture.

As the harassment continued and intensified, Mariyam's job performance began to suffer. She found herself constantly stressed, unable to concentrate on her work, and increasingly uncomfortable in team meetings and collaborative projects. The toxic work environment was taking a toll on her mental health and career prospects.

Karan, a colleague who joined XYZ Corp around the same time as Mariyam, noticed the change in her demeanor and the inappropriate behavior of their coworkers. He and Mariyam had become friends, often discussing work-related matters and supporting each other in their projects. Karan was deeply concerned about the situation but felt unsure about how to intervene without making things worse for Mariyam.

One day, Mariyam received an exceptionally offensive message from a senior team member, leaving her in tears for several hours. Karan found her in the break room, visibly distraught, and spent time consoling her. After hearing the full extent of the harassment she had been enduring, Karan suggested she file a complaint under the POSH (Prevention of Sexual Harassment) Act. He explained that the Act was designed to protect employees like her and that the company was legally obligated to address such complaints.

However, Mariyam, fearing retaliation and the potential loss of her job, refused to lodge the complaint. She expressed concerns about being labeled a troublemaker and worried that it might affect her future career prospects in the industry. Mariyam also mentioned that her family was dependent on her income, and she could not risk losing her job.

Karan is aware that the POSH Act permits lodging a complaint on behalf of the aggrieved woman. He is considering reporting the incident himself, believing that the toxic work environment needs to be addressed for the sake of Mariyam and other female employees. However, he is wary about the impact this may have on Mariyam, especially given her reluctance to come forward.

Adding to the complexity of the situation, Karan recently overheard a conversation suggesting that XYZ Corp is planning a major expansion, which could lead to promotions and new opportunities for employees. He worries that filing a complaint might jeopardize not only Mariyam's current position but also her future prospects within the company.

(a) Discuss the ethical dilemma Karan faces in deciding whether to report the incident against Mariyam's wishes.

(b) Evaluate the options available to Karan. Which of these options should he choose and why?

(c) What responsibilities do organizations like XYZ Corp have in preventing and addressing sexual harassment and creating inclusive workplace environments? (Answer in 250 words)20

हाल ही में कलकत्ता के एक अस्पताल में महिला डॉक्टर के साथ हुए जघन्य अपराध ने कार्यस्थल पर हो रहे यौन अपराधों की ओर सभी का ध्यान खींचा।

इसी यौन शोषण पर आधारित यह केस-स्टडी एक उचित कार्यप्रणाली की मांग कर रही है —

हितधारक

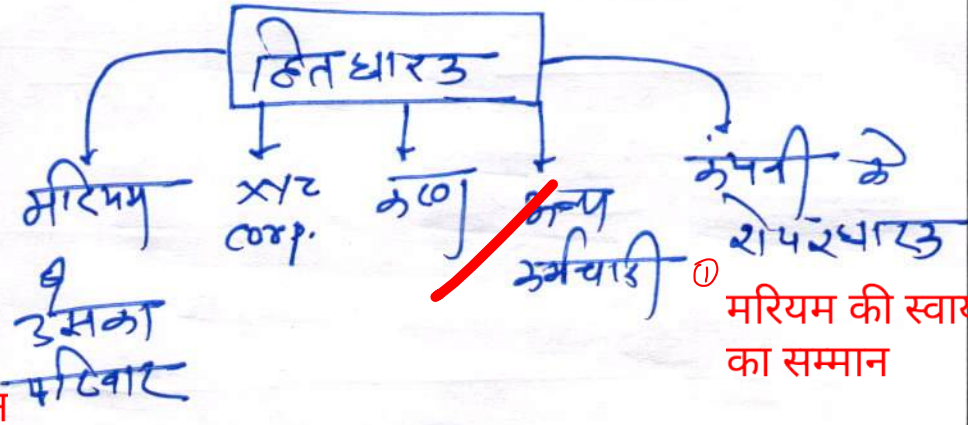

- मरियम व उसका परिवार
- XYZ corp.
- करण
- अन्य कर्मचारी
- कंपनी के शेयरधारक

① मरियम की स्वायत्तता का सम्मान

③ दोस्ती एवं नैतिक कर्तव्य के मध्य संतुलन

मरियम के साथ अन्य कर्मचारी के प्रति जिम्मेदारी

(a) करण के समक्ष नैतिक दुविधाएँ

② नुकसान को रोकने का कर्तव्य

कार्यालय का वातावरण

(i) स्वहित बनाम सर्वहित — करण शिकायत करने पर उसकी नौकरी का संकट

④ करियर पर दीर्घकालिक प्रभाव

(ii) शोषण बनाम कार्यवाही

↳ मरियम को शोषण सहने देने की अथवा एक सख्त कार्यवाही

मरियम के साथ अन्य महिलाओं को भी मदद

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(iii) नागरिक जिम्मेदारी बनाम कंपनी के प्रति जिम्मेदारी
↳ मरियम के प्रति दोस्ती अथवा कंपनी के प्रति निष्ठा

(iv) मरियम की नौकरी बनाम व्यक्तिगत प्रतिष्ठा
↳ मरियम के परिवार की आर्थिक अवस्था अथवा उसकी स्वयं वेदना

(v) साकारात्मक अर्थसंस्कृति बनाम यौन शोषण
↳ कॉर्पोरेट एथिक्स का मामला एवं कर्मचारी की मजबूरी

(vi) महिला सुरक्षा बनाम उसकी प्रोन्नति
↳ भविष्य के लिए जॉब सुरक्षा

(b) करण के पास विकल्प

(i) POSH Act के तहत शिकायत न करना
न केवल मूकदर्शक बनना

+ve	-ve
→ मरियम जॉब सुरक्षा	→ व्यक्तिगत निष्ठा मूल्य नहीं
→ पारिवारिक हालात सुरक्षा	→ अन्याय का भागी बनना
→ प्रोन्नति की संभावनाएँ	→ महिला यौन शोषण को बढ़ावा

(ii) मरियम को समझाकर POSH Act के तहत शिकायत

+ve	-ve
→ यौन शोषण बचाव	→ मरियम व करण के बीच सुरक्षा खतरा
→ मरियम को मानसिक राहत	→ यौन शोषण बढ़ोतरी का डर
→ कंपनी को मरियम की क्षमता का पूर्ण लाभ	→ पारिवारिक आर्थिक हालात खराब
→ सख्त संदेश व दोषियों को सज़ा	→ आंतरिक समिति (ICC) के द्वारा निष्पक्ष कार्यवाही के प्रति असंमजस

मरियम को परामर्श या कानूनी सहायता के लिए प्रोत्साहित करें

विकल्प चयन - करण को विकल्प II चयन करना चाहिए क्योंकि

① **नैतिक निर्णय** → 'सुभाष बोस' के अनुसार डर पर जीत नैतिक आधार से ही प्राप्त होती है।

② **मरियम की मानसिक स्थिति**
↳ यौन शोषण से सुरक्षा द्वारा इसकी कार्यक्षमता प्रभावित कम होगी

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

③ कानूनी बाध्यता → कर्मचारी को अपने साथी के साथ सहयोग । POSH के तहत शिकायत की बाध्यता।

④ समावेशी कार्यस्थल हेतु XYZ corp जिम्मेदारी

(i) कार्यसंस्कृति → सकारात्मक रखना व महिलाओं के प्रति संवेदनशीलता।
(eg) टाटा ग्रुप द्वारा टीम बिल्डिंग एक्सरसाइज करना।

(ii) लैंगिक समानता → हृदयकोटक समिति के अनुसार कॉर्पोरेट को महिला समता हेतु बाध्यता।

① गुमनाम रिपोर्टिंग तंत्र

(iii) सख्त कार्यवाही → आंतरिक समिति (ICC) द्वारा कार्यवाही कर सख्त कार्यवाही (निल के हानि सिद्धांत पालना)

② समर्थन प्रणाली

③ प्रतिशोध विरोधी नीतियां

④ समावेशी भर्ती एवं पदोन्नति नीतियां

(iv) कॉर्पोरेट नैतिकता → सभी को समान अवसर

निष्कर्ष अच्छा है

इस प्रकार अरुण को टैगोर के 'जोदि तोर डाक शुने केउ न आसे तोबे एकला चलो रे' के तहत हिम्मत से काम लेना होगा।

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

8.

जय एक सिविल सेवक है जिसे एक वर्ष पूर्व राज्य के शिक्षा विभाग में आयुक्त के रूप में नियुक्त किया गया था। अपने शुरुआती महीनों में, उसने कई ऐसी नीतियों और कार्यक्रमों को लागू किया, जिससे शिक्षा मंत्रालय के कामकाज में सकारात्मक बदलाव आ रहे थे तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि हो रही थी, जो आगामी चुनावों में संबंधित मंत्री के लिए लाभकारी हो सकती थी।

हालांकि, जय को अब एक महत्वपूर्ण चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। अपनी जिम्मेदारियों के भाग के रूप में, उसे सरकारी स्कूलों के लिए नए शिक्षकों की भर्ती को मंजूरी देनी होगी। उसे रिक्त पदों के लिए अनुशंसित 120 उम्मीदवारों की सूची प्राप्त हुई है, लेकिन उसे यह संदेह है कि भर्ती प्रक्रिया अनुचित थी। जय को कई शिकायतें भी प्राप्त हुई थीं, जिनमें दावा किया गया था कि यह भर्ती प्रक्रिया योग्यता आधारित नहीं थी।

समीक्षा करने पर, जय को ऐसे साक्ष्य प्राप्त हुए जो यह स्पष्ट करते हैं कि सूची में कई नाम राजनीतिक संरक्षण का परिणाम हैं। राजनीतिक संरक्षण राज्य में एक प्रचलित मुद्दा है, जहां राजनेता राजनीतिक समर्थन प्राप्त करने के लिए भर्ती का उपयोग करते हैं। जय का मानना है कि चुनाव नजदीक होने के कारण शिक्षा मंत्री भी इस कार्य में संलग्न है।

यह स्थिति जय को एक पुरानी घटना की याद दिलाती है जब एक जूनियर अधिकारी के रूप में, उसने एक अनावश्यक खरीद अनुरोध को स्वीकार करने से इनकार कर दिया था। परिणामस्वरूप, उसे एक सप्ताह के भीतर ही स्थानांतरित कर दिया गया तथा उसे और उसके परिवार को बदले की कार्रवाई के रूप में तुच्छ भ्रष्टाचार के आरोपों का सामना करना पड़ा। उसके स्थान पर नियुक्त अधिकारी ने और भी उच्च दरों पर खरीद को मंजूरी दे दी।

जय अब इस बात को लेकर चिंतित है कि मौजूदा भर्ती को रोकने से ऐसे ही परिणाम सामने आ सकते हैं। इसके अलावा, उसे भय है कि यदि वह इस अनुचित भर्ती प्रक्रिया के खिलाफ खड़ा होता है तो शिक्षा मंत्रालय में उसके द्वारा व्यक्तिगत रूप से शुरू की गई परियोजनाओं को समाप्त किया जा सकता है।

(a) शिक्षा विभाग के आयुक्त के रूप में जय के पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं? इनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए।

(b) जय को कौन-सा विकल्प अपनाना चाहिए और क्यों?

(c) जय जैसे सिविल सेवकों को अपने दायित्वों के निर्वहन में नैतिक मानकों को बनाए रखने के प्रयास के दौरान बेहतर सुरक्षा कैसे प्रदान की जा सकती है? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Jay, a civil servant, was appointed as the Commissioner in the state's Education Department a year ago. In his initial months, he implemented several policies and programmes that were transforming the Education Ministry's operations, gaining a good reputation that could potentially benefit the concerned minister in the upcoming elections.

However, Jay now faces a significant challenge. As part of his responsibilities, he must approve the recruitment of new teachers for government schools. He has received a list of 120 candidates recommended for vacant posts, but suspects the recruitment process was unfair. Jay had also received several complaints claiming that the process had not been meritocratic.

Upon review, Jay discovers evidence suggesting that many names on the list are the result of political patronage - a prevalent issue in the state where politicians use recruitment to gain political support. Jay believes the Education Minister is engaging in this practice as the election season approaches.

This situation reminds Jay of a past incident when, as a junior officer, he refused to entertain an unnecessary procurement request. Consequently, he was transferred within a week, and he and his family faced frivolous anti-corruption complaints as retaliation. His successor approved the procurement at even higher rates.

Jay is now concerned that blocking the current recruitment could lead to similar consequences. Moreover, he fears that the projects he personally initiated in the Education Ministry might be abandoned if he takes a stand against this unfair recruitment process.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(a) What are the options available to Jay as the Commissioner of the Education Department? Evaluate each of these options.
(b) What option should Jay adopt and why?
(c) How can civil servants like Jay be better protected when they attempt to uphold ethical standards in their work? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

भर्ती प्रणाली में भ्रष्टाचार आ रही भ्रष्टाचार की खबरों के कारण एक परीक्षा-व्यवस्था संस्था को एवं ईमानदार अभ्यर्थियों को होने वाले मानसिक आर्थिक तनाव अतुलनीय है।

इसी मुद्दे के तहत जय जो कि एक भर्ती आयुक्त है को नैतिकता व भ्रष्टाचार से निपटने हेतु चुनौती का सामना करना पड़ रहा है।

हितधारक
- जय (आयुक्त)
- शिक्षा मंत्री
- अभ्यर्थी
- आमजन (छात्र दल)

(a) उपलब्ध विकल्प

(i) राजनीतिक लाभ हेतु भर्ती मंजूरी

लाभ
- पदोन्नति संभावना (मंत्री द्वारा)
- भर्ती पूर्ति द्वारा जनता के प्रति जवाबदेही पूर्ति
- राजनीतिक संरक्षण प्राप्ति

हानि → भ्रष्टाचार में लिप्तता
→ व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा से समझौता
→ ईमानदार अभ्यर्थियों के साथ अन्याय
→ राजनीतिक गठजोड़ का साथ (गांधी के सात पाप के तहत)

(ii) भर्ती को निरस्त कर देना

लाभ → भ्रष्टाचार व सार्वजनिक धन की बचत
→ व्यक्तिगत ईमानदारी पूर्ति
→ कोड ऑफ कंडक्ट (CoC) की पूर्ति
→ राजनीतिक गठजोड़ खुलासा → जनता के प्रति जवाबदेही पूर्ति

हानि → पद से हटाने का खतरा (पदोन्नति नहीं)
→ भर्ती निरस्त से आमजन में अविश्वास
→ सरकार की आलोचना

(iii) मंत्री को मामले की गंभीरता से अवगत करवाकर व निष्पक्ष कार्यवाही करके समय पर भर्ती करवाना

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

लाभ → निष्ठा : धृति सत्यम् का पालन
└→ सार्वजनिक विश्वास (भगवद्गीता)
बहाली → देश वचत
└→ दोषियों को उचित सजा
└→ ईमानदार अभ्यर्थी को मेहनत का फल
└→ व्यक्तिगत जिम्मेदारी निर्वहन

हानि → मंत्री द्वारा सुझाव न मानने का खतरा
└→ पदविमुक्ति का खतरा

✯ भर्ती प्रक्रिया की निष्पक्षता के लिए एक जांच समिति का गठन

(b) विकल्प चयन → तृतीय (III) विकल्प

(i) कोड ऑफ कंडक्ट – 1968 पालन
└ इसके तहत सिविल सेवक को दबावमुक्त नैतिक कार्य करना

(ii) कान्ट का 'speaking truth to power' की पालना

(iii) मिल का गुणवत्तापूर्ण उपयोगितावाद की पालना

(iv) कांट का सद्गुण व गांधी की साध्य - साधन पवित्रता पालन

(c) नैतिक मानकों हेतु सुरक्षा

कार्यकाल सुरक्षा → पद्मनाभ समिति के अनुसार न्यूनतम 3 साल का कार्यकाल

मिड करियर ट्रेनिंग - सुरिंदरनाथ समिति
↳ अनिवार्य → इससे सत्यनिष्ठा मजबूत

डिसिप्लिनरी इंटरफेस → होता समिति
↳ इससे बाहरी दबाव मुक्त कार्यप्रणाली

संवेगात्मक बुद्धिमत्ता विकास - II ARC
↳ टीम बिल्डिंग व प्रेम संबंधी प्रशिक्षण द्वारा

कोड ऑफ एथिक्स संहिताकरण → कलघ समिति
↳ CoC की तर्ज पर

कोड ऑफ कंडक्ट का विस्तार
→ नैतिक दुविधा की कार्यप्रणाली
→ ऑस्ट्रेलिया में नैतिकता लोकपाल

इस प्रकार एक सच्चा सिविल सेवक डर और लोभ से मुक्त होकर 'सर्वजनहिताय' सिद्धांत की पालना करेगा

① विद्यार्थी सुरक्षा

② संगठनात्मक समर्थन वरिष्ठ अधिकारियों का नैतिक मार्गदर्शन एवं समर्थन आवश्यक है

③ न्यायिक संरक्षण यदि कोई अधिकारी भ्रष्टाचार एवं अन्य अन्यथाओं का विरोध करता है तो उसकी न्यायिक संरक्षण प्राप्त होना चाहिए

④ ट्रांसफर एवं पोस्टिंग में सुधार

⑤ जागरूकता परीक्षण

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

9. X शहर के जिला मजिस्ट्रेट के रूप में, आपको शहरी वन क्षेत्र में एक नए मेट्रो डिपो के निर्माण की देखरेख का दायित्व सौंपा गया है, जो सार्वजनिक परिवहन में सुधार करने और यातायात की भीड़ एवं वायु प्रदूषण को कम करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण अवसंरचनात्मक परियोजना है। हालांकि, इस परियोजना के लिए वन के एक बड़े हिस्से को साफ करने की आवश्यकता है, जिसका पर्यावरण कार्यकर्ताओं, स्थानीय निवासियों और गैर-सरकारी संगठनों ने कड़ा विरोध शुरू कर दिया है। इस वन को प्रायः शहर के "फेफड़े" के रूप में संदर्भित किया जाता है और शहर के पारिस्थितिक संतुलन के लिए व्यापक रूप से आवश्यक माना जाता है।

पर्यावरण संबंधी चिंताओं के अलावा, दो वर्ष में होने वाले आगामी चुनावों को देखते हुए, परियोजना को शीघ्र पूरा करने के लिए राज्य स्तर पर राजनेताओं की ओर से भी आप पर काफी दबाव है। राजनीतिक नेतृत्व शहर के विकास हेतु मेट्रो परियोजना के लाभों और चुनावी समर्थन प्राप्त करने की इसकी क्षमता पर बल दे रहा है।

इस परियोजना से हजारों यात्रियों के लिए यात्रा का समय उल्लेखनीय रूप से कम होने और शहर में वाहनों से होने वाले उत्सर्जन में संभावित कमी आने की उम्मीद है। हालांकि, इससे हजारों वृक्षों की क्षति भी होगी और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र बाधित होगा।

जब आप कोई निर्णय लेने की तैयारी करते हैं, तो आप जानते हैं कि आपके निर्णय के शहर के विकास और उसके पर्यावरण, दोनों पर दूरगामी परिणाम होंगे।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल नैतिक दुविधाओं की पहचान कीजिए।
(b) उपर्युक्त स्थिति में आपके समक्ष उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। आप इनमें से किस विकल्प को चुनेंगे और क्यों?
(c) भविष्य की परियोजनाओं में शहरी विकास संबंधी आवश्यकताओं और पर्यावरण संरक्षण के बीच संतुलन स्थापित करने के लिए कुछ उपाय सुझाइए। (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

As the District Magistrate of X city, you are responsible for overseeing the construction of a new metro depot in an urban forest area, which is a critical infrastructure project aimed at improving public transportation and reducing traffic congestion and air pollution. The project, however, requires the clearance of a substantial portion of the forest, which has triggered strong opposition from environmental activists, local residents, and NGOs. This forest is widely regarded as essential for the city's ecological balance, often referred to as the city's "lungs."

In addition to the environmental concerns, you are under considerable pressure from politicians at the state-level to expedite the project, given the upcoming elections in two years. The political leadership emphasizes the benefits of the metro project for the city's development and its potential to garner electoral support.

The project is expected to significantly reduce travel time for thousands of commuters and potentially decrease overall vehicle emissions in the city. However, it would also lead to the loss of thousands of trees and disrupt local ecosystems.

As you prepare to make a decision, you are aware that your choice will have far-reaching consequences for both the city's development and its environment.

(a) Identify the ethical dilemmas involved in the above case.
(b) Evaluate the options available to you in the above situation. Which of these would you choose and why?
(c) Suggest some measures that could be implemented to balance urban development needs with environmental conservation in future projects. (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

गांधी जी के अनुसार - यह पृथ्वी हमें पूर्वजों से उत्तराधिकार में नहीं बल्कि भावी पीढ़ी से ऋण के रूप में मिली है।

धारणीय विकास

पर्यावरण बनाम विकास की दुविधा के बीच में फंसती यह समस्या X से उचित कदम की मांग कर रही है।

मेरा चिन्तन - संधारणीय विकास के माध्यम से दोनों पक्षों को साधना

हितधारक
- → X (मैं)
- → स्थानीय जनता
- → राजनेता & प्रशासन
- → पर्यावरण - पारिस्थितिकी
- → (शहरी) जनसंख्या

① स्थानीय समुदाय की चिंता

② दीर्घकालिक बनाम अल्पकालिक

(a) **नैतिक दुविधाएं:**

X के समक्ष
- → पर्यावरण बनाम विकास
- → स्वहित बनाम सार्वजनिक हित
- → जानवर & पेड़ पौधों के प्रति करुणा बनाम लोगों की सुविधा

कोशिश कीजिए कि बिंदुओं को एक-एक लाइन में लिखिए समय के अनुभव में यह बेहतर उपाय है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

जनता	→ स्वहित बनाम पर्यावरण को नुकसान
राजनेता	→ राजनीतिक नैतिकता बनाम पर्यावरण जवाबदेही → राजनीति बनाम संवैधानिक निर्देश (अनु. 48 A)

(b) उपलब्ध विकल्प

	+Ve	-Ve
विकल्प I विकास को महत्व देकर मेगा डैम निर्माण	→ लोगों को सहुलियत (सहूलियत) → सार्वजनिक अवसंरचना निर्माण → राजनेताओं की पुनः जिम्मेदारी पूर्ति	→ पर्यावरण को नुकसान → स्थानीय विरासत को खतरा → COP28 व INDC की अवहेलना → सिंधु सभ्यता (प्राचीन संरक्षण) की अवहेलना
विकल्प II मेगा प्रोजेक्ट को निरस्त करना	→ पर्यावरण संरक्षण → INDC लक्ष्यप्राप्ति में सहायक	→ अवसंरचना कमी → वायु प्रदूषण → निजी वाहनों के कारण

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

	→ क्षेत्र-विविधता बचाव → प्रदूषण में कमी	→ लोगों को दैनिक समस्याएं → जनाक्रोश के रूप में सरकार के प्रति → X की व्यक्तिगत व सार्वजनिक जिम्मेदारी पूर्ति नहीं
विकल्प III: संधारणीय व समावेशी हल जिसमें ग्रीन मेट्रो डिपो का निर्माण	→ पर्यावरण ⇌ विकास समावेशन → सर्वजनहित साधना → लोगों को दैनिक समय बचत → वायु & ध्वनि आदि में सुधार → X की सिविल सेवक के रूप में हित साधना	→ मंत्री & सरकार द्वारा मनाही का खतरा → प्रारंभिक लागत बढ़न का खतरा → संधारणीयता के प्रति लोगों में जागरूकता कमी

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विकल्प चयन + III

संस्थानीय हस्तक्षेप → COP 28 में भारत के 'पंचामृत' व PM मोदी के 'मिशन Life' के तहत पालना

(c) शहरी परियोजना → विकास ⇄ पर्यावरण उपाय

ग्रीन अवसंरचना → शहरों को ग्रीन अवसंरचना अपनाने पर जोर दें

पर्याप्त फंडिंग → केन्द्र व राज्य के साथ स्थानीय स्तर को भी फंडिंग
eg. नगरपालिका ग्रीन बॉन्ड

नीतिगत पहल → स्मार्ट & ग्रीन सीटी मिशन का हर शहर में लागू

आकलन → पर्यावरण प्रभाव आकलन (EIA) के साथ ही योजना प्रभाव आकलन (SIA) के बीच संतुलन।

इस प्रकार 'वसुधैव कुटुम्बकम' की थ्योरी धरती - मनुष्य - जीवन के बीच संतुलन के द्वारा हल की आवश्यकता है

① पुनर्वत्तिकारण
② ग्रीन कॉरिडोर
③ प्राकृतिक संसाधनों का पुनरूत्पादन
④ जन सहभागिता

ताकि विकास एवं पर्यावरण के मध्य संतुलन बना रहे

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

10. डॉ. मेहरा भारत की एक अग्रणी फार्मास्युटिकल कंपनी में वरिष्ठ ड्रग डेवलपर हैं, जो चिरकालिक और दुर्लभ रोगों के उपचार हेतु महत्वपूर्ण जीवन रक्षक दवाओं सहित विभिन्न दवाओं का उत्पादन करने के लिए प्रसिद्ध हैं। अपनी स्थापना के बाद से ही, कंपनी ने अपनी दवाओं की गुणवत्ता और वहनीयता पर बल दिया है।

हाल ही में, संशोधित सरकारी दिशा-निर्देशों के तहत, फार्मास्युटिकल कंपनियों के लिए सामग्रियों (Ingredients) पर परीक्षण से "संतोषजनक परिणाम" प्राप्त करने के बाद ही तैयार उत्पाद का विपणन करने का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, उन्हें दवाओं के किसी बैच के बार-बार परीक्षण या सत्यापन के लिए मध्यवर्ती और अंतिम उत्पादों, दोनों के पर्याप्त मात्रा में नमूने रखने होंगे।

डॉ. मेहरा की टीम एक दुर्लभ लेकिन जानलेवा रोग के लिए एक नई दवा विकसित करने के अंतिम चरण में है। नैदानिक परीक्षणों में इस दवा के आशाजनक परिणाम प्राप्त हुए हैं। हालांकि, दवा के दीर्घकालिक दुष्प्रभावों के बारे में अनसुलझी चिंताएं विद्यमान हैं, जो परीक्षण में शामिल विषयों में अत्यधिक कम प्रतिशत के रूप में देखी गई हैं। इसके बावजूद, कंपनी ने पिछले एक दशक में कोई भी महत्वपूर्ण दवा जारी नहीं की है, जिससे बोर्ड के सदस्यों की ओर से दवा की रिलीज़ में तेज़ी लाने के लिए काफी दबाव है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण में शामिल हितधारकों की पहचान कीजिए।
(b) डॉ. मेहरा द्वारा सामना किए जाने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।
(c) उपर्युक्त प्रकरण में डॉ. मेहरा के पास उपलब्ध विकल्पों का विश्लेषण कीजिए। आप इनमें से किसे चुनेंगे और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Dr. Mehra is a senior drug developer at a leading pharmaceutical company in India, renowned for producing various medications, including lifesaving drugs critical for treating chronic and rare diseases. Since its inception, the company has emphasized the quality and affordability of its drugs.

Recently, under revised government guidelines, pharmaceutical companies are required to market a finished product only after obtaining "satisfactory results" from tests on the ingredients. Additionally, they must retain a sufficient quantity of samples of both intermediate and final products to allow repeated testing or verification of a batch.

Dr. Mehra's team is in the final stages of developing a new medication for a rare but life-threatening disease. This drug has shown promising results in clinical trials. However, there have been unresolved concerns about the long-term side effects of the drug, observed in a small percentage of trial subjects. Despite this, the company has not released any major drug in the past decade, leading to significant pressure from the board members to expedite the drug's release.

(a) Identify the stakeholders in the above case study.
(b) Discuss the ethical issues faced by Dr. Mehra.
(c) Analyse the options available to Dr. Mehra in the above case. Which of these would you choose and why? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

केस स्टडी डॉ. मेहरा से एक उचित निर्णय की मुहार कर की है।

मेरा लक्ष्य - सार्वजनिक हित सर्वोपरिता।

a) हितधारक

- डॉ. मेहरा → ड्रग डेवलपर
- सरकार → जारी निर्देश पालना
- रोगी → जो कि दवा की टेस्टिंग कर रहे हैं
- कंपनी → शेयरधारक जो कि लाभ हेतु इच्छुक
- स्थानीय जनता → जिसपर दीर्घकाल में प्रभाव होगा
- अन्य कंपनियाँ → कंपनी की कार्य-संस्कृति को फॉलो करने की संभावना

सरकारी एवं नियामक प्राधिकृत अधिकारी

बोर्ड के सदस्य

b) नैतिक मुद्दे

- सार्वजनिक हित हेतु कार्य करने का मुद्दा

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

↳ व्यक्तिगत सत्यनिष्ठा से समझौता

↳ कंपनी को कॉर्पोरेट व्यापार प्रशासनिक का दबाव

↳ डॉ. मेहरा की पदोन्नति का मुद्दा

↳ लोगों के स्वास्थ्य के प्रति जवाबदेही का मुद्दा

↳ कॉर्पोरेट नैतिकता भावना का मुद्दा

↳ गांधी के सात पाप के तहत नैतिकताविहीन लाभ का मुद्दा

(c) उपलब्ध विकल्प

(i) ड्रग डेवलपमेंट को बिना जाँच परिणाम मंजूरी

लाभ	हानि
→ कंपनी की साख बढ़ोतरी	→ दीर्घकालिक परिणाम गंभीरता खतरा
→ रोगियों को तीव्र राहत	→ जानलेवा होने पर कानूनी कार्यवाही

① दवा की सुरक्षा

② समाज की प्राथमिकता

③ प्रमाणिकता
↓
आवश्यक सैंपल बनाए रखना एवं परीक्षण करवाना जिससे दवा की सुरक्षा सुनिश्चित की जा सके एवं संभावित दुष्प्रभाव का आकलन किया जा सके

+अधिक परीक्षण एवं शोध

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

→ डॉ. मेहता को पदोन्नति लाभ	→ कॉर्पोरेट अनैतिकता → व्यक्तिगत ईमानदारी पालना नहीं

(ii) ड्रग डेवलपमेंट को मंजूरी न देकर इंतजार करना

लाभ	हानि
→ परिणाम परीक्षण का समय प्राप्त	→ शेयरधारकों का दबाव
→ सार्वजनिक जनहानि की संभावना कम	→ कंपनी को शेयर व लाभांश कमी
→ कंपनी की कॉर्पोरेट नैतिकता पालन	→ डॉ. मेहता को प्रोजेक्ट से हटाने का खतरा

(iii) ड्रग डेवलपमेंट व वैज्ञानिक परीक्षण का पुनः निरीक्षण व अंतिम सफल परिणाम बाद ही दवा बाजार में

लाभ	हानि
→ कॉर्पोरेट प्रक्रिया पालना	→ शेयरधारकों का दबाव
→ कानूनी प्रक्रिया अनुपालन ∴ जिम्मेदारी → साथ करना	→ प्रोजेक्ट से हटाने का खतरा

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

→ सकारात्मक कार्यसंस्कृति व सत्यनिष्ठा विकास	→ दवा बाजार में देरी से आने का खतरा
→ दवा प्रयोग सफलता से शेयरधारक लाभांश प्राप्ति	
→ आवश्यकता रोगी को तीव्र रोग से राहत	

नैतिक चयन का

नैतिकता पालना → कॉर्पोरेट व मेडिकल एथिक्स पालना

सर्वजनहित → कंपनी का उपयोगितावाद की साधना

लाभांश → कंपनी को भविष्य में कानूनी मुद्दों से बचाव व शेयरधारक लाभांश।

इस प्रकार डा. मेहरा को केवल स्वयं व कंपनी को ही नहीं देखना चाहिए बल्कि अन्य बाधाधारकों जैसे रोगी, समाज का पालन करनी चाहिए।

निष्कर्ष अच्छा है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

11. आपको राज्य शहरी विकास विभाग में अंडर सेक्रेट्री के पद पर नियुक्त किया गया है। विभाग को एक प्रतिष्ठित परियोजना का कार्य सौंपा गया है जिसका उद्देश्य शहरों की अत्यधिक ऐतिहासिक महत्त्व वाली अवसंरचना को पुनर्जीवित करना है। इस परियोजना के बारे में आप बेहद उत्साहित हैं, जिसमें सार्वजनिक परिवहन का आधुनिकीकरण करना, विरासत भवनों का जीर्णोद्धार करना और शहर के सांस्कृतिक पहलू को संरक्षित करते हुए हरित स्थान का सृजन करना शामिल है।

इस अवसर से उत्साहित होकर, आपने कई सप्ताह तक शोध करके एक व्यापक प्रस्ताव तैयार किया। आपकी योजना में संधारणीय विकास, सामुदायिक जुड़ाव और शहरी नियोजन के लिए प्रौद्योगिकी का लाभ उठाने के लिए अभिनव विचार शामिल थे। आपने अपने सहयोगियों को प्रेरित करने और परियोजना को गति देने की आशा से विभागीय बैठक में ये प्रारंभिक योजनाएं प्रस्तुत कीं।

हालांकि, आपके उत्साह को उदासीनता का सामना करना पड़ा। आपके सहयोगियों ने बहुत कम रुचि दिखाई तथा वे परियोजना के लिए विचारों या प्रयासों का योगदान करने में विफल रहे। चिंतित होकर, आपने अपने वरिष्ठ को उत्साह की कमी की सूचना दी, जो इस परियोजना के प्राधिकारी भी हैं। आपकी निराशा के लिए, वे भी उतना ही उदासीन लग रहे थे, उन्होंने सहजता से उल्लेख किया कि वे छह महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं और इस परियोजना की अवधि अधिक लंबी है।

परियोजना को सफल होते देखने के लिए दृढ़ संकल्पित होकर, आपने इसे आगे बढ़ाने की जिम्मेदारी अपने ऊपर ले ली। पिछले दो महीनों से, आप अपने परिवार के साथ समय व्यतीत करने के अवसरों का त्याग करते हुए, दिन में 12 घंटे से अधिक, अक्सर देर रात तक काम कर रहे हैं। आपका समर्पण इस परियोजना की शहर के निवासियों के जीवन को बदलने और भावी पीढ़ियों के लिए शहर की समृद्ध विरासत को संरक्षित करने की क्षमता में आपके विश्वास से प्रेरित है।

परियोजना के दो महीने बाद मुख्य सचिव द्वारा समीक्षा बैठक बुलाई जाती है। बैठक के दौरान, विभिन्न क्षेत्रकों के विभाग प्रमुख वर्तमान में जारी और आगामी परियोजनाओं पर चर्चा करने के लिए उपस्थित होते हैं। जब शहरी पुनरुद्धार परियोजना प्रस्तुत करने का समय आता है, तो आपका बॉस अथवा वरिष्ठ खड़ा हो जाता है। आपको आश्चर्य होता है कि वह आपके ड्राफ्ट प्रस्ताव को अपने काम के रूप में प्रस्तुत करता है और नवीन विचारों एवं व्यापक योजना का सारा श्रेय ले लेता है।

जब आप वहां बैठे हुए अपने वरिष्ठ को आपकी कड़ी मेहनत को अपना बताते हुए सुनते हैं, तो आप क्रोध, निराशा और मनोबल की कमी को संयुक्त रूप से महसूस करते हैं। यह घटना न केवल आपके प्रयासों को कमजोर करती है बल्कि आपको ऐसी कार्य संस्कृति में अपने समर्पण के मूल्य पर भी प्रश्न उठाने के लिए विवश करती है जो सहयोग का समर्थन नहीं करती है या व्यक्तिगत योगदान को मान्यता नहीं देती है।

(a) इस प्रकरण में शामिल नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) उपर्युक्त कार्य संस्कृति कार्यस्थल पर मनोबल और उत्पादकता को किस प्रकार प्रभावित करती है?

(c) आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं और आप इस स्थिति का समाधान किस प्रकार करेंगे? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

You have been appointed as the Under Secretary in the State Urban Development Department. The Department has been tasked with a prestigious project aimed at revitalizing the infrastructure of a city with deep historical significance. This project, which you are extremely passionate about, involves modernizing public transportation, restoring heritage buildings, and creating green spaces while preserving the city's cultural essence.

Excited by the opportunity, you spent weeks researching and drafting a comprehensive proposal. Your plan included innovative ideas for sustainable development, community engagement, and leveraging technology for urban planning. You presented these initial plans in a departmental meeting, hoping to inspire your colleagues and kickstart the project.

However, your enthusiasm was met with indifference. Your colleagues showed little interest, failing to contribute ideas or efforts towards the project. Concerned, you reported this lack of enthusiasm to your immediate superior, who is also the authority for this project. To your dismay,

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

he seemed equally indifferent, casually mentioning that he is set to retire in six months and that the project has a long gestation period.

Determined to see the project succeed, you took it upon yourself to drive it forward. For the past two months, you have been working more than 12 hours a day, often late into the night, sacrificing time with your family. Your dedication is driven by your belief in the project's potential to transform the lives of the city's residents and preserve its rich heritage for future generations.

Two months into the project, a review meeting is called by the Chief Secretary. During the meeting, Department heads from various sectors are present to discuss ongoing and upcoming projects. When it is time to present the urban revitalization project, your boss stands up. To your shock, he presents your draft proposal as his own work, taking all the credit for the innovative ideas and comprehensive planning.

As you sit there, listening to your superior claim your hard work as his own, you feel a mix of anger, disappointment, and demoralization. This incident not only undermines your efforts but also leaves you questioning the value of your dedication in a work culture that does not seem to support collaboration or recognize individual contributions.

(a) Discuss the ethical issues involved in this case.
(b) How does the above-mentioned work culture affect workplace morale and productivity?
(c) What are the options available to you and how would you address the situation? (Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

शुरुआत अच्छी है

गुरु नानक जी ने कहा है
'नानक नाम चढ़दी कला तेरे भाणे सरबत दा भला।' अर्थात सर्वजन का भला महत्त्वपूर्ण है ना कि मैं उसे कर रहा है वह।
इसी परिप्रेक्ष्य पर आधारित यह केस स्टडी मेरे द्वारा किए गए प्रयास का वरिष्ठ द्वारा श्रेय पर मेरी प्रतिक्रिया की मांग कर रही है।

मेरा चिंतन → सर्वजनहिताय सर्वजनसुखाय

(a) नैतिक मुद्दे

1 ईमानदारी एवं पारदर्शिता

① सत्यनिष्ठा की पक्ष 2 अनुशासन हीनता
का मुद्दा → मेरे कार्य का श्रेय वरिष्ठ द्वारा

② वरिष्ठ द्वारा ईमानदारी न रखने का मुद्दा

③ कार्य-संस्कृति में सकारात्मकता का मुद्दा

④ सहयोगियों का पक्षपातपूर्ण व्यवहार का मुद्दा

⑤ सिविल सेवकों की जनता के प्रति सेवा भाव का मुद्दा

⑥ कार्यसंस्कृति का प्रभाव

व्यक्तिगत निराशा → मेरे मन में वरिष्ठ के प्रति निराशा हो सकती है।

मनोबल पर प्रभाव.

घृणा व क्रोध → श्रेय न मिलने पर घृणा-दबाव आदि भी

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

आपसी तालमेल कमजोर — सहयोग में कमी

↳ इससे भविष्य की योजना में खतरा

~~प्रशासनिक~~ ~~पदाधिकारीविवाद~~ बढ़ोतरी

↳ मेरे द्वारा कार्य न करने की मनोवृत्ति का विकास संभावना

वरिष्ठ के साथ संबंध खराब

↳ वरिष्ठ अफसर के साथ विश्वास बहाली में कमी — उत्पादकता में कमी

उत्सुकता & संभावनाओं में कमी

↳ प्रदर्शन प्रोत्साहन पहचान न मिलने पर

(c) उपलब्ध विकल्प
- सामंजस्य पूर्ण संवाद
- दस्तावेज साक्षी प्रस्तुत
- सहकर्मियों के समर्थन
- वैकल्पिक अवसरों पर विचार

(i) निराश होकर भविष्य के प्रोजेक्ट पर कार्य न करना

लाभ → क्रोध प्राप्ति लोभ नहीं
↳ जिम्मेदारी से मुक्ति
→ व्यक्तिगत समय प्राप्ति।

हानि → सत्यनिष्ठा & जवाबदेही नहीं
→ कोड ऑफ कंडक्ट पालना नहीं
↳ व्यावसायिक हित हेतु सही नहीं

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(ii) वरिष्ठ को शिकायत करना आधिकारिक शिकायत

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

लाभ → अपने कार्य & मेहनत की पहचान
→ वरिष्ठ को गलती की सजा

हानि → वरिष्ठ से संबंध खराब
→ पदानुक्रम का पालन नहीं
→ भविष्य में पदोन्नति खतरे

(iii) वरिष्ठ से आदरतापूर्वक बात करके एक मध्यममार्ग निकालना → अनुनय क्षमता द्वारा कार्य

लाभ → वरिष्ठ का सम्मान & गलती का अहसास
→ अपने कार्य की पहचान व प्रोत्साहन

हानि → वरिष्ठ द्वारा सुझाव न मानने का खतरा

निष्कर्ष → III

क्योंकि गीता ने भी कहा गया है कि हमें अपने कर्म पर ध्यान देना चाहिए फल की प्राप्ति समय अपने आप हो जाएगी।

निष्कर्षअच्छा है

12. अरुण अपनी सत्यनिष्ठा और समर्पण के लिए प्रसिद्ध है। हाल ही में, उसने राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में अधीक्षक की भूमिका संभाली है। यह पोस्टिंग, केवल एक वर्ष में उसकी चौथी पोस्टिंग है, जिसमें पर्यावरणीय प्रभाव आकलन (EIA) की देखरेख की जिम्मेदारी शामिल है। अपने नए पद पर अरुण को एक महत्वपूर्ण आर्द्रभूमि, जो इस क्षेत्र के लिए प्राथमिक जल स्रोत के रूप में कार्य करती है, के निकट स्थित एक तांबा प्रगलन संयंत्र के बारे में पता चलता है।

उस संयंत्र के भारी प्रदूषण कर्ता के रूप में कुख्यात होने के बावजूद, अध्यक्ष द्वारा अरुण को प्रस्तुत किया गया वर्तमान EIA, आर्द्रभूमि पर इससे किसी गंभीर प्रभाव को नहीं दर्शाता है। अगले दो वर्षों के लिए कोई अन्य आकलन निर्धारित नहीं किया गया है।

एक दिन, अरुण को विपक्षी दल से जुड़े एक राजनेता से एक पत्र प्राप्त होता है। इस पत्र में ऐसे साक्ष्य हैं जो बताते हैं कि वर्तमान EIA परिणाम फ़र्जी प्रयोगशाला रिपोर्टों पर आधारित हैं, जिन्हें कथित तौर पर अध्यक्ष द्वारा अनुमोदित किया गया है। अध्यक्ष के सत्तारूढ़ दल के साथ घनिष्ठ संबंध हैं, जिसे संयंत्र के संचालकों से पर्याप्त दान प्राप्त होता रहा है।

विपक्षी राजनेता ने अरुण से विभाग के अंदर से ही अध्यक्ष को बेनकाब करने का आग्रह किया और यह तर्क दिया कि यह दृष्टिकोण प्रभावी रूप से सरकार पर एक नया EIA आयोजित करने के लिए दबाव डाल सकता है। वह अरुण से वादा करता है कि उनके दल के सत्ता में आने, जिसकी हालिया जनमत सर्वेक्षणों में संभावना व्यक्त की गई है, पर उसे महत्वपूर्ण पुरस्कार और समर्थन मिलेगा।

यद्यपि प्रस्तुत किए गए साक्ष्य प्रभावशाली हैं, लेकिन अरुण राजनीतिक मोहरे के रूप में शोषण किए जाने की संभावना के बारे में भी सतर्क है। वह अपने कार्यों के संभावित परिणामों, उसके करियर और पर्यावरण दोनों के लिए, के बारे में पूरी तरह से अवगत है।

(a) उपर्युक्त प्रकरण के आलोक में, कॉर्पोरेट, राजनीतिक और नौकरशाही के हितों के बीच गठजोड़ से उत्पन्न होने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए।

(b) एक कर्तव्यनिष्ठ सिविल सेवक के रूप में, अरुण के पास उपलब्ध विकल्पों का मूल्यांकन कीजिए। उसे कौन-सा विकल्प चुनना चाहिए और क्यों? (250 शब्दों में उत्तर दीजिए)

Arun, renowned for his integrity and dedication, has recently assumed the role of Superintendent at a state Pollution Control Board. This posting, his fourth in just one year, includes the responsibility of overseeing Environmental Impact Assessments (EIAs). In his new position, Arun becomes aware of a copper smelting plant situated near a crucial wetland that serves as the primary water source for the region.

Despite the plant's notorious reputation for heavy pollution, the current EIA, presented to Arun by the Chairperson, indicates no significant impact on the wetland. The next assessment is not scheduled for another two years.

One day, Arun receives a letter from a politician affiliated with the opposition party. The letter contains evidence suggesting that the current EIA results are based on falsified lab reports, allegedly approved by the Chairperson. The Chairperson is known to have close ties with the ruling party, which has been receiving substantial donations from the plant's operators.

The opposition politician urges Arun to expose the Chairperson from within the department, arguing that this approach could effectively pressurize the government to conduct a new EIA. He promises Arun significant rewards and support once their party comes to power, an outcome suggested by recent opinion polls.

While the evidence presented is compelling, Arun remains cautious about the possibility of being exploited as a political pawn. He is acutely aware of the potential consequences of his actions, both for his career and for the environment.

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

(a) In light of the above case, discuss the ethical issues that may arise from the nexus between corporate, political, and bureaucratic interests.

(b) As a conscientious civil servant, evaluate the options available to Arun. Which option should he choose and why?(Answer in 250 words) 20

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

नारायण सम्पूर्ति समिति के अनुसार कोर्पोरेट - सिविल सेवक - राजनीति का त्रिवेणी गठजोड़ के कारण ही क्रोनी कैपिटलिज्म को बढ़ावा मिला है।

उपरोक्त केस में इसी गठजोड़ को बेनकाब करने हेतु करण जैसे सिविल सेवक से मांग कर रहा है।

मेरे लक्ष्य → तटस्थ रहते हुए सत्यता के साथ कार्य करना

(a) नैतिक मुद्दे

(i) कोर्पोरेट नैतिकता का मुद्दा
↳ लाभ हेतु पर्यावरण को नुकसान

(ii) राजनीति का अपराधीकरण
↳ राजनैतिक स्वार्थ हेतु कार्य

(iii) प्रशासनिक स्वायत्तता खत्म
↳ अध्यक्ष द्वारा फर्जी EIA का निर्माण

(iv) राजनीतिक लाभ प्राप्ति का मुद्दा
↳ अरुण को विपक्षी नेता द्वारा

(v) पर्यावरण संरक्षण का मुद्दा
↳ प्रगलन इकाई द्वारा नुकसान
↳ कृषि भूमि को नुकसान

(vi) कानूनी दुविधा
↳ EIA के तहत फर्जी प्रतिवेदन का मुद्दा

(b) उपलब्ध विकल्प

(i) अध्यक्ष की EIA रिपोर्ट का पालना

लाभ	हानि
→ स्वयं पदोन्नति	→ पर्यावरण नुकसान
→ पदानुक्रम का पालन	→ व्यक्तिगत प्रतिबद्धता व अंतरात्मा का संकट
→ राजनीतिक मुद्दा बनने से बचाव	

② राजनीतिक दबाव को अस्वीकार करना

③ सुधार उपायों को क्रियान्वित करना

① साक्षी का जांच करना एवं रिपोर्ट को सुधारना
↓
वह स्वतंत्र जांच समिति का गठन कर सकता है
या
EIA की पुर्नकृति करने का अनुरोध कर सकता है

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

	→ प्रशासनिक पथप्रदर्शक बनना
	→ कोड ऑफ कंडक्ट पालना नहीं

(ii) अध्यक्ष को रिपोर्ट जिसका उल्लेख पुन: EIA व प्रगलन ईकाई बंद

लाभ	हानि
→ पर्यावरण जवाबदेही पालना (अनु. 48A)	→ अध्यक्ष के साथ संबंध खराब
→ गठजोड़ का पर्दाफाश	→ सरकार व दल द्वारा स्थानांतरण खतरा
→ भ्रष्टाचार खुलासा	→ दूसरी पार्टी के प्रति नरमी का डर
→ सकारात्मक आर्थिक संस्कृति निर्माण	

(iii) पर्याप्त साक्ष्यों की जाँच करना व अध्यक्ष के साथ बात करके मामले की गंभीरता पर चर्चा

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

लाभ	हानि
→ अध्यक्ष के साथ पदानुक्रम प्रक्रिया पालन	→ अध्यक्ष द्वारा न मानने का खतरा
→ पर्यावरण पर सकारात्मक कार्यवाही संभव	→ व्यक्तिगत हित के प्रभावित संभावना
→ अध्यक्ष को जुल्म का अहसास	
→ सर्वजनहित सोचना	
→ प्रशासनिक भ्रष्टाचार में कमी	

उम्मीदवारों को इस हाशिए में नहीं लिखना चाहिए
Candidates must not write on this margin

विकल्प चयन (iii)

अनुनयन संभव → अध्यक्ष की मनोवृत्ति व गलती अहसास द्वारा सकारात्मक कार्य-संस्कृति

गठजोड़ टूटना → निजी गठजोड़ का पर्दाफाश

पर्यावरण अनुकूल → आर्द्रभूमि प्रदूषण रोक

सकारात्मक कार्य संस्कृति → इससे भविष्य में भ्रष्टाचार पर रोक संभव।

इस प्रकार 'भगत सिंह' ने भी कहा है 'बुराई लाख बुरी हो लड़ने हेतु हिम्मत जीत की राह दिखाती है।'

निष्कर्ष अच्छा है

SPACE FOR ROUGH WORK

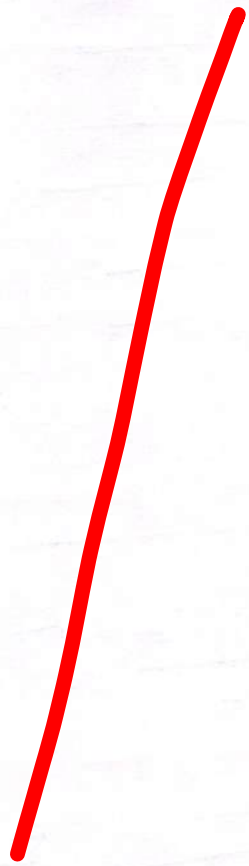

SPACE FOR ROUGH WORK